एम.टी.टी.-041

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी.जी.डी.एस.एच.एस.टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम.टी.टी.-041 : सिंधी-हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनः सृजन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 – 300 शब्दों में दीजिए : *2×15=30*

(क) वर्तमान में सिंधी भाषा की कौन-सी लिपियाँ प्रचलन में हैं ? लिपियों पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए ।

(ख) 'भाषाओं में अनुवाद' विषय पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए ।

(ग) सिंधी-हिंदी भाषा की व्याकरणिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** सिंधी शब्दों के हिंदी पर्याय लिखते हुए उनका सिंधी में वाक्य प्रयोग कीजिए : *5×2=10*

(i) अज़ीम

(ii) आरिज़ी

(iii) कुटिया

(iv) डखणु

(v) तिलिकु

(vi) नमी

(vii) पटणु

(viii) पोरिहियतु

(ix) फ़ज़लु

(x) बिंदिरो

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** हिंदी शब्दों के सिंधी पर्याय लिखते हुए उनका हिंदी में वाक्य प्रयोग कीजिए : *5×2=10*

(i) अवशेष

(ii) उपचार

(iii) कुनबा

(iv) गवाह

(v) चबाना

(vi) झपक

(vii) तिहतर

(viii) दौर

(ix) पंछी

(x) मंथन

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** कहावतों/मुहावरों का सिंधी से हिंदी / हिंदी से सिंधी में अनुवाद करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : *5×2=10*

(i) अकुल चरण वञणु

(ii) आड़ो अचणु

(iii) खल बचाइणु

(iv) पके घड़े कना न पवणु

(v) बांदरनि सां दोस्ती रखणु

(vi) टंगड़ी अड़ाना

(vii) जीभ पकड़ना

(viii) तबीयत आना

(ix) धन को धन कमाता है

(x) अपना तोसा, अपना भरोसा

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए : *5×1=5*

(i) राधा होशियार छोकिरी आहे ।

(ii) असीं फिल्म डिसणु चाहियूं था ।

(iii) मां आराम करणु चाहियां थो ।

(iv) तव्हां किथे कमु कंदा आहियो ?

(v) महिरबानी करे थोरो वधीक खणो ।

(vi) तव्हां लाइ कंहिंजो फोनु आयो हो ।

(vii) मरमत जा केतिरा पैसा लगंदा ?

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** वाक्यों का सिंधी में अनुवाद कीजिए : *5×1=5*

(i) हवाई जहाज़ कितनी देर बाद उड़ेगा ?

(ii) कृपया यहाँ हस्ताक्षर करें ।

(iii) पूर्णमासी कब है ?

(iv) कृपया मुझे सिर दर्द की दवा दें ।

(v) मैं आपका आभारी हूँ ।

(vi) जवाहर बाजार में दो दुकानें हैं ।

(vii) आपके लिए कौन-सा सूप लाऊँ ?

7. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** अनुच्छेद का हिंदी अनुवाद कीजिए : *1×15=15*

(i) पाड़ो आहे अबो अमड़ि । हिक बि॒ए में कमु त पवंदो ई न ! हिक रात मुंहिंजी धर्मपत्नीअ जे पेट में ओचतो सख़्त सूरु अची पियो । फकियुनि फ़रकु ई न पिए कयो । ज़रूरी हो त हुन खे अस्पताल वठी वञिजे । राति जा ब॒ वग॒ा हुआ, अकेलो कींअ वञां । ब॒ त ब॒ारिहां, छा करियां । सोसायटीअ जे सेक्रेट्रीअ खे फ़ोन कयुमि । उमेद हुई त डुकंदो ईंदो, पर न ! जोणसि ई चयो हुन जी सिहत ठीक न आहे, मां हिननि खे निंड मां उथारणु न चाहींदसि, माफु कजो ! हिन बिल्डिंग में मां बि॒ए कंहिंखे सुञाणा बि कोन । कंहिं जो दरु खड़िकायां । छो न ईश्वर खिलनाणीअ जे दर ते दस्तक डि॒यां । काको ज़रूर भाल भलाईंदो । हुन जे दर जो बेल वज॒ायुमि, दरु भाई साहब ई खोलियो । हुन खे अर्ज़ु कयुमि, चयाईं टैक्सी घुरायो, मां हेठि अचां थो । बसि सरकारी इस्पताल में पहुतासीं । एमर्जन्सी कमरे में

नर्सि आराम कुर्सीअ ते वेठे खोंघिरा हणी रही हुई । डॉक्टर ज़रूर किथे वञी सुम्ही पियो हूंदो । असां जे अचण जी आहट ते नर्सि टपु डे॒ई उथी त सहीं पर अन्दर ई अन्दर में सौ भेरा पिटियो हूंदाईं । डॉक्टर अचण में पंद्रहां मिन्ट लग॒ाया । मरीज़ खे तपासे चयाईं, मां दवा डि॒यां थो । मरीज़ खे सुभाणे ओ.पी.डी. में वठी अचजोसि । वधीक जाच कई वेंदी, मूं चयोः ठीक आहे डॉक्टर साहब ! दवा डि॒यो । मां हिन खे सुभाणे वठी ईंदुसि, 'महिरबानी !'

(ii) लोक गीतं लोकनि जे मनोरंजन ऐं विंदुर जो साधनु आहिनि । के गीत मर्द, के औरतूं, के वरी मर्द ऐं औरतूं गड्ु, के गीत ब॒ार, के गीत अकेले सिर त वरी के गीत मजमूई रूप में ग॒ाता वेंदा आहिनि । किनि गीतनि सां वरी नृत्यु बि जुड़ियल हूंदो आहे, जंहिं खे नृत्य गीत सडि॒बो आहे । होजमालो जमालो नृत्य जो गीतु आहे, जेके अक्सर पुरुष ग॒ाईंदा आहिनि । काफ़ी, मौलोदु अकेले सिर पुरुष ग॒ाईनि; भज॒न, सलोक, पंजिड़ा पुरुष बि ग॒ाईनि त औरतूं बि । छलो, मोरो, लोली, ब॒ेलणु, ग॒ामणु वग़ैरह मुहबत ऐं ममता जा गीत आहिनि, जेके मुहबत जा मजनू ऐं माताऊं ग॒ाईंदियूं आहिनि । लाड़ा, सहरा, ग॒ेच वग़ैरह औरतुनि जा गीत आहिनि, जेके ग॒ाइण वक्ति औरतूं झुमिरि बि हणंदियूं आहिनि । 'हिमरचो' मज़दूरनि, पोर्हियतनि जो, 'मरूओ' नौजवानिड़ियुनि जो, 'बादलियो' ऐं 'वरसारो' औरतुनि जा गीत आहिनि । राग़ु 'सिंधोड़ो' ऐं 'जंगि-नामो' बहादुरीअ जा गीत आहिनि, जेके पुरुष ग॒ाईंदा आहिनि ।

8. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** अनुच्छेद का सिंधी में अनुवाद कीजिए : *1×15=15*

(i) मानव अपने जीवन को बनाए रखने हेतु औसतन 8,000 लीटर वायु ग्रहण करता एवं बाहर करता है । अतः यदि वायु में अशुद्धि है अथवा उसमें प्रदूषक तत्त्वों का समावेश है तो वह दूषित वायु श्वास द्वारा शरीर में पहुँच कर विभिन्न प्रकार से प्रभावित करती है और अनेक भयंकर रोगों का कारण बन जाती है ।

इसके प्रचुर चिकित्सकीय प्रमाण हैं कि स्वास्थ्य को वायुमंडलीय प्रदूषण विविध मात्रा में विपरीत रूप में प्रभावित करता है । इससे मृत्यु में अधिकता होती है, रोगों की संभावना अधिक होती है तथा श्वास संबंधी अत्यधिक बीमारियाँ होने लगती हैं ।

वायु प्रदूषण का सर्वाधिक प्रभाव मनुष्य के श्वसन तंत्र पर पड़ता है क्योंकि श्वास के द्वारा ली गई वायु रक्त प्लाज्मा में घुलती ही नहीं अपितु हीमोग्लोबिन के साथ मिश्रित होकर संपूर्ण शरीर को रोगग्रस्त करती है । वायु में प्रदूषण वाली जो हानिप्रद कणिकाएँ आकार में कुछ बड़ी होती हैं वे तो नासिका द्वार पर रुक जाती हैं किंतु अतिसूक्ष्म कणिकाएँ फेफड़ों तक पहुँच जाती हैं और शरीर के विभिन्न भागों तक में पहुँच कर रोगों का कारण बन जाती हैं । प्रदूषित वायु से श्वास संबंधी रोग जैसे ब्रोंकाइटिस, बिलिनोसिस, गले का दर्द, निमोनिया, फेफड़ों का कैंसर आदि बढ़ रहे हैं ।

(ii) हेमू की मृत्यु के पश्चात् उसका घर तीर्थ-स्थल बन गया । बड़े-बड़े महान् व्यक्ति, नेता, साहित्यकार, कवि, कलाकार, मंत्री, कांग्रेस के छोटे अथवा बड़े नेता, मुस्लिम लीग, आर.एस.एस., आर्य समाज, भिन्न-भिन्न धर्मों, मज़हबों, संप्रदायों के व्यक्ति हेमू के परिवारजनों के दुःख बाँटने, शोक की अभिव्यक्ति करने दौड़े-दौड़े आए । सिंध कांग्रेस ने जहाँ तहाँ शोक सभाओं और श्रद्धांजलि बैठकों का आयोजन किया । सिंध के प्रत्येक गाँव, गली, बस्ती में हेमू को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई । इस छोटे से वीर के वीरत्व की दिल खोलकर सराहना की गई । प्रत्येक भाषा के समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं ने आदर सहित हेमू की शहादत का बखान किया और अंग्रेजों के अत्याचार को फटकारते हुए निंदा की । अंग्रेज सरकार के दमनात्मक व्यवहार, आतंक की खुल्लमखुल्ला निंदा होने पर नफरत तथा बग़ावत को और अधिक बल मिला ।

हेमू को 21 जनवरी पर फाँसी दी गई । 26 जनवरी पर तिरंगे झंडे के साथ कहीं-कहीं काला झंडा फहराकर दुःख और शोक की अभिव्यक्ति की गई । 26 जनवरी को कराची कांग्रेस ने एक जुलूस निकाला । शारदा मन्दिर से प्रभातफेरी निकाली थी । इसलिए अंग्रेजों ने वह स्कूल बंद करवा दिया था । उनका आवेश अंग्रेजों के विरुद्ध तो था ही, उन्होंने हेमू की फाँसी का विरोध करने के लिए तिरंगे झंडे के साथ काले झंडे हाथ में लेकर, गहरे शोक और विरोध की निशानी के रूप में कराची की गलियों में जुलूस का रूप ले लिया ।